अध्यक्ष डिटयर एफ. उकर्डोफ द्वारा
प्रथम अध्यक्षता में द्वितीय सलाहकार

हमें भविष्यवक्ताओं की जरूरत क्यों है ?

क्योंकि स्वर्गीय पिता अपने बच्चों से प्रेम करता है, उन्होंने इस नश्वर जीवन में बिना निर्देशन और मार्गदर्शन के चलने के लिए उन्हें नहीं छोड़ा है । हमारे स्वर्गीय पिता की शिक्षाएं साधारण, अनुमान करने योग्य, ऐसे ही मिलने वाली वस्तु नहीं है जिसे हम किसी स्थानीय पुस्तक-विक्रेता से ले सकते हैं । ये उस स्वर्गीय व्यक्ति की ज्ञान की शक्तिशाली बातें हैं जो अपने बच्चों से प्रेम करता है । उनके शब्दों में युगों के रहस्य शामिल हैं—इस जीवन में और आने वाले संसार में सुख के लिए ।

स्वर्गीय पिता अपने सेवकों, भविष्यवक्ताओं के द्वारा पृथ्वी पर अपने बच्चों को इस ज्ञान को प्रकट करते हैं (देखें आमोस 3:7) । आदम के समय से, परमेश्वर ने अपने बच्चों से नियुक्त व्यक्तियों द्वारा बातें की है जिन्हें दूसरों को उसकी इच्छा और सलाह देने का कार्यभार सौंपा गया है । भविष्यक्ता प्रेरित शिक्षक हैं और हमेशा यीशु मसीह के विशेष गवाह रहे हैं (देखें सि और अनु 107:23) । भविष्यवक्ता न केवल अपने समय के लोगों से बातें करता है लेकिन वे लोगों से हर युग में बातें भी करते हैं । उनकी वाणियां सदियों तक परमेश्वर की गवाही के रूप में उसके बच्चों के लिए दोहराई जाती हैं ।

वर्तमान अतीत से भिन्न नहीं है । प्रभु हमारे समय के लोगों को अतीत के लोगों से कम प्रेम नहीं करता है । यीशु मसीह के गिरजे की पुनःस्थापना के शानदार संदेशों में एक यह है कि परमेश्वर अपने बच्चों से अभी भी बातें करता है ! वह स्वर्ग में छिपकर नहीं बैठे हैं लेकिन वह अतीत की तरह आज भी बातें करते हैं ।

अपने भविष्यवक्ताओं को प्रभु जो प्रकट करते हैं उसमें अधिकतर हमें व्यक्तिगत और समाजिकरूप से दुख से बचाने की नियत होती हैं । जब परमेश्वर बातें करते हैं, वह अपने बच्चों को शिक्षा देने, प्रेरणा देने, परिपूर्ण करना, और चेतावनी देने के लिए करते हैं । जब व्यक्ति और समाज अपने स्वर्गीय पिता के निर्देशों की अनदेखी करते हैं, वे ऐसा परिक्षा, पीड़ा, और कष्ट का समाना करते हैं ।

परमेश्वर अपने सभी बच्चों से प्रेम करता है । इसलिए वह इतनी दृढ़ता से अपने भविष्यवक्ताओं के द्वारा हमसे याचना करता है । ठीक जिस प्रकार हम अपने प्रियजनों के लिए करते हैं, स्वर्गीय पिता भी हमारे लिए उत्तम चाहते हैं । इसलिए उनके निर्देश बहुत महत्वपूर्ण और कभी-कभी बहुत जरूरी होते हैं । इसलिए उन्होंने हमें आज अकेला नहीं छोड़ा है बल्कि अपने भविष्यवक्ताओं के द्वारा अपनी इच्छा प्रकट करते रहते हैं । हमारा भाग्य और हमारी दुनिया का भाग्य अपने बच्चों को प्रकट किए परमेश्वर के वचनों पर निर्भर करता है ।

मानवजाति के लिए परमेश्वर के अमूल्य निर्देश बाइबिल, मॉरमन की पुस्तक, सिद्धांत और अनुबंध, और अनमोल मोती में पाए जाते हैं । इसके अतिरिक्त, प्रभु अपने सेवकों के द्वारा बातें करता है, जैसा वह आने वाली जनरल सम्मेलन में करेगा ।

उन सभी लोगों से जो ऐसी बातों पर आश्चर्य करते हैं—जो पूछते हैं, ''क्या यह संभव है कि परमेश्वर हमसे आज बातें करें ?'' —मैं अपने संपूर्ण हृदय से निमंत्रण देता हूं ''आओ और देखो'' (यूहन्ना 1:46) । परमेश्वर के वचन को पढ़ें जैसे धर्मशास्त्रों में पाए जाते हैं । जनरल सम्मेलन को उसके अतिंम-दिनों के भविष्यवक्ताओं द्वारा दिए परमेश्वर की वाणी को सुनने वाले कान से सुनें । आएं, सुनें, और अपने हृदय से देखें ! क्योंकि यदि तुम ''गंभीर हृदय से, सच्ची इच्छा से मसीह में विश्वास करते हुए, खोजते हो, [परमेश्वर] पवित्र आत्मा की शक्ति से इसकी सच्चाई तुम पर प्रकट करेगा

(मरोनी 10:4) । इस शक्ति से और के द्वारा, मैं जानता हूं कि यीशु मसीह जीवित हैं और अपने गिरजे को जीवित भविष्यवक्ता, अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन के द्वारा निर्देश देते हैं ।

भाइयों और बहनों, परमेश्वर आज हमसे बातें करते हैं । और वह चाहते हैं कि उसके सभी बच्चे उनकी वाणी को सुनें और इस पर ध्यान दें । जब हम ऐसा करते हैं, प्रभु हमें आशीष देगा और बहुत अधिक सहायता करेगा, इस जीवन में और आने वाले संसार में भी ।

युवा

जीवित भविष्यवक्ता द्वारा निर्देशन पाना

क्रिस्टी रीपा द्वारा

जब मैं 16 वर्ष की थी, मुझे स्वयं पहली बार जनरल सम्मेलन में उपस्थित होने का अवसर मिला था । मेरा परिवार पश्चिमी ओरगन, स रा अ में रहता था, और सम्मेलन में उपस्थित होने और अपने बड़े भाई को प्रचारक प्रशिक्षण केंद्र में छोड़ने के लिए हम यूटाह तक गाड़ी में गए थे ।

मैं सम्मेलन में पवित्र आत्मा द्वारा सीखाए जाने की इच्छा से गई थी । जिसके परिणामस्वरूप, मुझे आत्मा से वह गवाही प्राप्त हुई जो मुझे शायद वैसे नहीं मिलती यदि मैं अपने आपको तैयार करके नहीं जाती ।

एक सत्र के दौरान, सबने खड़े होकर मिलकर स्तुतिगीत गाया, ''Guide Us, O Thou Great Jehovah'' । जब हम गा रहे थे, मुझे विशेष अनुभूति हुई कि मैं सम्मेलन केंद्र के चारों ओर देखूं । मैंने चारों देखा और सैकड़ों लोगों की एकता की शक्ति को देख कर चकित रह गई जब हम एकसाथ स्वर में स्वर मिलाकर परमेश्वर की प्रंशसा कर रहे थे ।

तब मुझे एक ऐसा अनुभव हुआ जिसमें मुझे नफी के समान महसूस हुआ जब उसने जीवन के वृक्ष का दिव्यदर्शन देखा था, क्योंकि मुझे आत्मा ने मुझ से कहा था, ''देखो'' (देखें 1 नफी 11–14) । मैंने अध्यक्ष मॉनसन की ओर देखा और महसूस किया कि गिरजे की एकता इसलिए मौजूद है क्योंकि हम जीवित भविष्यवक्ता के द्वारा निर्देशित होते हैं । पवित्र आत्मा की गवाही के द्वारा मैं जानती हूं कि अध्यक्ष मॉनसन हमारे समय के भविष्यवक्ता हैं, और मैं जानती हूं कि यीशु मसीह उनके द्वारा इस गिरजे को निर्देशित करते हैं ।

© 2012 Intellectual Reserve, Inc.द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/11 । अनुवाद अनुमतिः 6/11 । *First Presidency Message, March 2012* का अनुवाद । Hindi । 10363 294

मेरे राज्य में बेटियां

इस सामाग्री को पढ़ें और, जैसा उचित हो, उन बहनों के साथ इसकी चर्चा करें जिन से आप भेंट करती हैं। अपनी बहनों को मजबूत करने और सहायता संस्था को अपने जीवन का सक्रिय हिस्सा बनाने में मदद के लिए प्रश्नों का प्रयोग करें।

विश्वास, परिवार, सहायता

हम स्वर्ग में अपने पिता की बेटियां हैं। वह हमें जानते हैं, हमें प्रेम करते हैं, और उनके पास हमारे लिए एक योजना है। उस योजना में बुराई के बदले अच्छाई का चुनाव करने के लिए पृथ्वी पर आना शामिल है। जब हम परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने का चुनाव करते हैं, हम उनका सम्मान करते हैं और परमेश्वर की बेटियों के रूप में अपनी पहचान को स्वीकार करते हैं। सहायता संस्था हमें इस दिव्य विरासत को याद करने में मदद करती है।

सहायता संस्था और इसका इतिहास हमें शक्ति और सर्मथन देता है। जूली बी. बैक, सहायता संस्था की जनरल अध्यक्षा, ने कहा थाः ''परमेश्वर की बेटियों के रूप में, आप अनंत उपाधियों की तैयारी कर रही हैं, और आप सबके पास स्त्री होने की पहचान, प्रकृति, और जिम्मेदारी है। परिवारों की, समाजों की, और इस गिरजे की, और उद्धार की बहुमूल्य योजना की सफलता आपकी विश्वसनीयता पर निर्भर करती है। ... [हमारे स्वर्गीय पिता] की नियत है सहायता संस्था उसके लोगों का निर्माण करने में मदद करे और उन्हें मंदिर की आशीषों को पाने के लिए तैयार करे। उन्होंने [सहायता संस्था] की स्थापना अपनी बेटियों को उसके कार्य के अनुकूल बनाने के लिए की और उनकी मदद को अपने राज्य का निर्माण करने और सियोन के घरों को मजबूती देने के लिए शामिल किया था।''[1]

स्वर्ग में हमारे पिता ने उसके राज्य का निर्माण करने में मदद के लिए हमें विशेष कार्य दिया है। उसने हमें आत्मिक उपहारों से भी आशीषित किया है जिनकी जरूरत हमें इस विशेष कार्य को पूरा करने में पड़ती है। सहायता संस्था के द्वारा, हमारे पास परिवारों को मजबूती देने, जरूरतमंदों की मदद करने, और यीशु मसीह के शिष्य के रूप में जीवन जीना सीखने के लिए हमारे उपहारों का उपयोग करने के अवसर हैं।

अध्यक्ष डिटियर एफ. उकडोर्फ, प्रथम अध्यक्षता में द्वितीय सलाहकार, ने शिष्यता के विषय में कहा थाः ''धैर्य से शिष्यता के मार्ग में चलकर, हम अपने आपको अपने विश्वास और अपने स्वंय की इच्छा जगह परमेश्वर की इच्छा को स्वीकार करने की स्वेच्छा प्रदर्शित करते हैं।''[2]

आओ हम याद रखें हम परमेश्वर की बेटियां हैं और उसके शिष्य के रूप में जीने का प्रयास करें। जब हम ऐसा करती हैं, हम परमेश्वर के राज्य को यहां पृथ्वी पर बनने में मदद करेंगी और उनकी उपस्थिति में वापस जाने के योग्य हो जाएंगी।

हमारे इतिहास से

28 अप्रैल, 1842 भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ ने सहायता संस्था की बहनों से कहा थाः ''आपको अब ऐसी परिस्थिति में रखा गया है जिसमें आप उन भावनाओं के अनुसार काम कर सकती हो जिन्हें परमेश्वर ने आपके भीतर रखा है। ... यदि आप अपने सौभाग्य के अनुसार जीती हैं, तो स्वर्गदूत अपने आपको आपका सहयोगी होने से नहीं रोक सकते।''[3]

दूसरों की सेवा करने और लोगों का विश्वास बढ़ाने में मदद करने में सहायता संस्था की शक्ति को पहचान कर, जीना डी. एच. यंग, सहायता संस्था की तीसरी जनरल अध्यक्षा ने 1893 में बहनों से वादा किया था, ''यदि आप अपने हृदयों की गहराई को खोजोगी आपको प्रभु की आत्मा की मदद से, इस काम की गवाही के अनमोल मोती मिलेंगे।''[4]

विवरण

1. जूली बी. बैक, "'Daughters in My Kingdom': The History and Work of Relief Society," *Liahona,* नवं 2010, 112, 114।
2. डिटियर एफ. उकडॉर्फ, "The Way of the Disciple," *Liahona,* May 2009, 76 मई।
3. जोसफ स्मिथ, "The Way of the Disciple," *Liahona,* May 2009, 76 में।
4. जीना डी. एच. यंग, "How I Gained My Testimony of the Truth," *Young Woman's Journal,* अप्रैल 1893, 319।

धर्मशास्त्रों से

जर्कियाह 2:10; सिद्धांत और अनुबंध 25:1, 10, 16; 138:38–39, 56; ''परिवारः संसार के लिए एक घोषणा'' (*Liahona* जञ्ञ *Ensign,* नवं 2010, 129)

मैं क्या कर सकती हूं ?

1. परमेश्वर की बेटियों के रूप में उनके सार्मथ्य तक पहुंचने में, मैं कैसे मदद कर सकती हूं ?

2. मैं अपने जीवन में सिद्धांत और अनुबंध 25 में स्त्रियों को दी सलाह और चेतावनी को कैसे लागू कर सकती हूं ?

अधिक सूचना के लिए, www.reliefsociety.lds.org पर जाएं।

© 2012 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित। भारत में छपी। अंग्रेजी अनुमतिः 6/11। अनुवाद अनुमतिः 6/11। *Visiting Teaching Message, March 2012* का अनुवाद। Hindi। 10363 294